

सुभाषितानि ॥

विष्णुः केशवः केशवः

...सर्वत्र ...

सुखी शिव शिव शिव

येना २२२२ निनकलः

॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

॥ ५ ॥ गायत्री ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

मन्त्रबालिका

五

2864

८ धवनसुसंखियदहधनरसचुयिसुखउमान
 २गनागगहं॥धवनसुसंखियदहधनरसानदसाहंयकात्रमत्र
 व॥५२॥इदश्रानिगलकागधनरवजयलसमसात्रमत्रव॥५३॥
 मायाश्रवतुनीनक(गो)२सहिपेवकसुखयत्रमधन॥५४॥
 ॥५५॥नागमधुमन॥पिचकनविससिमधुनसाभ्यसिगिगान
 उमनगिधन२वकवाताहिश्रानिगलसमचननानानसनिस्मनद
 कना२गनाहं२गनाहं२गनागगहंहंका॥निनवर्गवकुवक
 पतिमुखशिन्यगन॥पनमाश्रनतुमनगिधन२विषवक

308.51.1-2

2864

वसुजगामकृत्तधन॥ हादश्रातत्रनसु॥ भागिता॥ ॥ वसुध
॥ गङ्गावर्मदेमनूखलोगधः॥ विनमाश्रानतुमूत्रुगिधनाश्वा
नगिकपात्रस्वपत्रसूपासधवशुगिसूत्रवक्रसिन्धुधना॥ ॥
दिगाविदिगकाकासादिगचर्मदादिप्रातः॥ सहजाश्रानतुमू
त्रुगिधनाश्वा॥ नमामि॥ स्थीचक्रसम्भनः॥ सुगयुत्रवसनश्रानाधिय
त्र॥ ॥ ॥ ॥ रागमधुमग॥ नमामि॥ श्रुतागमम्व॥ ध्येनरुद्राः
नदाकिनिपत्रमध्वना॥ इतिगहनलश्रुगिधवत्रुदहोः॥ श्रानका
किनिश्रानिगना॥ गनाईईगनाईईई॥ ददि॥ ॥ ॥ ॥ ॥

॥ १ ॥

पुस्तक संख्या १२३४

वसुधा

हव्यताया ॥ ५५ ॥ अगमविवाहिनववत्ररुसदाता ॥ अगममाक
 कात्रिः ॥ श्रीनेसात्मादवी ॥ नितवर्धुदविकर्त्तियानधना ॥ ५६ ॥
 काठवित्रदिगश्रुतिगनसमाधिषादसरु ॥ कलागकधत्रिआ
 ॥ ५७ ॥ हस्मविरुत्वीगखदमूडाहनाः ॥ वाघचर्मपसिगन
 तसिनमात्रा ॥ ५८ ॥ उक्तामहध्वनानायायन ॥ ५९ ॥ चापयिच
 उवासनचरुमात्रमदन ॥ ६० ॥ ॥ ५९ ॥ **नागकद्र** ॥ वक्रडागिनी
 हनूवनाया ॥ शिखवननाथदहिमघाना ॥ ६१ ॥ ॥ **पिबयिसमहा**
 तसमहासुषकत्रियाः ॥ वक्रदविरुत्रियाः ॥ अनहन ॥ ६२ ॥ ॥ ६३ ॥

केजडागिनि

नरसमधिग

नात्रिदिदत्रकमत्रसंजा ॥ गददहि विनास्ययवनसंरुदयि ॥ ६४ ॥
 उक्रयितपश्चमहाखकत्रिया ॥ २पश्च ॥ नात्रसवि ॥ वात्रनि ॥ ६५ ॥
 सागरुत्रय ॥ दय ॥ थीरिखाक ॥ २पात्राध्वनीसंसात्रसमूडा ॥ ६६ ॥
 ॥ ६७ ॥ **नागकद्र** ॥ हुंकात्रसरवः ॥ कत्रयानत्रमिगुसमा ॥ ॥ स्त्रिधायिगत्र
 कथाचन्द्रनाखन ॥ ॥ खरुयहनलीथी ॥ खवर्जिनी ॥ ६८ ॥ ॥ कानावि
 हलिगः ॥ श्रियासधत्रियाः ॥ शिखवनवद्विगशीचन्द्रनाखन ॥ ६९ ॥
 यत्रवंसंकात्रसंखवमधाः ॥ सरुसुहमात्रस्मिसमताहिना ॥ ७० ॥ ॥ विचिं
 चिथापनिः ॥ सकत्रसचियनि ॥ २सु ॥ गवद्विगचन ॥ गदार्कग ॥ ७१ ॥

रूफात्रसंखव ॥ ७३

三

卷之四

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥
सकल लोकाय नमः ॥ २ ॥
सकल भूतानां च ॥ ३ ॥
सकल जगत्पते ॥ ४ ॥
सकल भूतेश्वर ॥ ५ ॥
सकल भूतेश्वर ॥ ६ ॥
सकल भूतेश्वर ॥ ७ ॥
सकल भूतेश्वर ॥ ८ ॥
सकल भूतेश्वर ॥ ९ ॥
सकल भूतेश्वर ॥ १० ॥
॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥
सकल लोकाय नमः ॥ २ ॥
सकल भूतानां च ॥ ३ ॥
सकल जगत्पते ॥ ४ ॥
सकल भूतेश्वर ॥ ५ ॥
सकल भूतेश्वर ॥ ६ ॥
सकल भूतेश्वर ॥ ७ ॥
सकल भूतेश्वर ॥ ८ ॥
सकल भूतेश्वर ॥ ९ ॥
सकल भूतेश्वर ॥ १० ॥
॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥

卷之五

॥ ५५ ॥ गावर्कसिनावडाहोयियाश्रानिगलः सगुनचनन
 घा॥ समयाश्रानन्दः रुनिपनामसुतः सम्वनवडावात्राहि ॥
 ॥ ५६ ॥ नागा॥ चकि कलुचकणि नाक्रमरवत्ररुखिगः योद
 नुभुननत्रमिमात्रा २ सनवकु चकिने आरुस्मविहृखिगः गगनसुद्र
 त्रिवेदत्रियात्राः श्रुवसगिहृवृवः दहमानकात्राः इगनाथसहज
 उनात्रा २ वडाकनागक हाथाधनियाः क (५६) थिरहृखिगः २ सगु
 नागिनाक मयविहृसिगनामसुतः सवमनियसांद ॥ ५७ ॥ चडावा
 हि श्रानिगलः सवनः नावयिवडाविहृसंग २ वाहृनिकानात्राहि ५८

श्रीकृष्ण॥

क्रिहृत्स्वज्जुह्वितवदनपुष्पाद ॥ ५ ॥ सहजसूनुः प्रियवर्णः
 लोकेर्गुणाः हृत्स्ववदनपुष्पाद २ पद्मश्रीनिहृत्स्वभूः विनास
 यिसून्यकर्तृणा ॥ ५ ॥ ॥ ॥ ॥ नागमात्रेण ॥ दक्षिनिधोत्रानिवर्त्तानि
 निर्वन्धात्रिः सिद्धिनिष्ठापिनिः जंबूकदन्त्राकिनिः ॥ ५ ॥ नमोमिथी
 जागमनस्यन्यस्यनिः शक्तिनिः ॥ ५ ॥ दविगिरुवनपुष्पसिद्धिः ॥ ५ ॥
 पूर्वजगत्पद्मि मदनकनरदिगंदविः ॥ अकिनिक्षयिनिः स्वउत्तिक
 स्वाजनिः ॥ ५ ॥ वसुनदिगंशुनरुननुदविः शगिनिगिनीदविः
 नाचरुदविः ॥ ५ ॥ हनिहृत्स्वमाः ॥ ५ ॥ शूस्वगनः ॥ ५ ॥

गिति समस्त संता व॥ ५२ ॥ ५३ ॥ आना गते वि॥ ५४ ॥
दिगं विदिगं सुवनाः धमित्र मान गुत्र गत्य २ गगन सति सुवना
गगन सन मून का नाः गगन दामन वज्र वज्र वज्र या नाः ॥ ५५ ॥
मामि यं च २ जाहा कि नि पंच मयिः गगन दा कि नी सन ह गपत
॥ ५६ ॥ पूर्व उमन पद्धि म दहि नः च रु रु व नः विप न मानाः वि
घन खं हि या न २ वज्र दा कि नीः यन च माना जा कि निः व ह ज
न दा किः हि नाः व गु न द वि॥ ५७ ॥ ॥ सिपि न व्या धि नि ऊ व क उ ना
कि निः स ना गी प न शु श्रू क सह ह ला २ दा कि नि दि सी नी दे

五

नमो भगवते वासुदेवाय ॥

कं वा जनिः घानदा मनूवज्जकां सवदनि ॥ ॐ ॥ नमो भगवते
विदा कि निगु रु पयि स ननः पञ्च मूडा त्र रु ष नी या श
मं ह ग क व ज घ ७७ ख त्या ग पा ण पु न मा मि दे वी थी हान द वि ॥
॥ ॐ ॥ ॐ ॥ **नाग रे न वि ॥** न मा मि र्जि न ध गु क र न क कः न
कु न मू न नि श्रा त्रिं गी गा ॥ पञ्च ध गु क र पः वृ ष ध म्मे श्रा न य र
ना ॥ न मा मि र्था ष्म नि पु न स्र तः त्रि द्वि सि द्वि व न दा य नि र्
वि न ४ न त्व स र्व पा प क य क नः दान पु न्य य ह मा कृ प द ना ॥ ॐ ॥
॥ ॐ ॥ **नाग ॥** न मा मि र्ध म्मे ध गु वा षी ष्य नः खो द स्र दान ग न

नमो भगवते वासुदेवाय ॥

सि ना श खो द स गा न न न न न का नाः स र्व दि व प नि मा ॥ ॐ ॥
गाः न रु रु रु रु ना चि नाः न रु रु रु रु ना ना ॥ न मा मि र्वा न स्र त म रु
नः प र्म गि नि धि नि वा सि ना र स त्व वि मा हि न रु ख वि ने स न
प न मा मि जि न च क स्र ना ॥ ॐ ॥ ॐ ॥ **नाग रे न वि ॥** ग ड ना
न रु र्व हा थ ध नि याः क म न क ति स श्रू क वा ना र द म नू क न गि क
ह्या न गि शु नाः वा म ख त्या र्ग क पा ना ॥ श्री स न्ध नो द य वा च नि न
कृ ज्ञा न्च ना न न र मा न यि तः चा प यि या त्रि न मा या स ह ज स्व
व गा ना यि ना ॥ पा सु वृ ऋ मू डाः वा द स्र हा थः धा वि या र न ना ह

॥ स एष सत्त्वः ॥ स एष सत्त्वः ॥ पूर्वकं कृत्वा ॥ पुच्छि यामः
गान न गुलः गान चक्र मूक मं मत्रापक देखा निगो ॥ ३० गः गान मः
॥ ३१ ॥ त्वान पाने वद मृग हा जनः ॥ पत्रि फ दसा हि मूक मं ॥ शि धा रुदे
धुस्ति ग सर्व सत्त्वः ॥ नम रुषः ॥ पुष्ट धः ॥ यगु ड ना क ना ना ध ॥ ३२ ॥ स
न क सं ॥ त्व चक्र पुन पानि क यगः ॥ नव धा रुव क द नि वृ ह या नि ॥ ज
॥ ३३ ॥ रुव मा के ता नः ॥ ना स्या म ना रु ना र या वे नः ॥ मो त्य गो रः
नि लं च वा य वः ॥ पुष्ट ह ग श्व चि रः ॥ श्री हू न ना स नः ॥ न नः
पा दि यः ॥ वरु उ प हा नः ॥ न स म य प ना कू स ज ॥ ३४ ॥ ॥

गः महासुखं त्वं संसात्रदुःखं पत्रिमर्कं हृद्यं नृपं
यवत्रयं नैव घट्यः चकनमा मिस्रं सा ह्रिनेमसु
जिनवत्रचकनाथाय कनमस्तु ॥ श्रीगणेशाय नमः
नस्तु ॥ श्रीचक्रसं वचकनाथाय कनमस्तु ॥ वज्रवा नादिचक्रना
यके ॥ नमस्तु जाकिनिनामिकाय नमो नमः ४ त्रयि लोखन्य ना
कः शिवकविनासक वित्रनिगः काकास्यानाद्यदिगपात्रकषु वि
प्रथमी वित्रगनं नमो मिहं ॥ निस्पष्टमूर्कं सहतः उपपिथः पा
पिथः च न्योपचु न्योः मत्राय क २ उपसमस्वानकवाः पवित्रवस्ता
कणापत्र ॥

मूनिहिवसंघाः वृद्धं च धर्मं च संघचरनाथानमस्तु गणेश
कायवसु गौ ॥ मत्राकिहकलाकगुत्र ४ सचकिनः विहा २ जगमा
विमूर्कं यः दिनासायन मः कसु मभुचं नमस्तु गणेशकमू
कमौ ॥ संपूर्णं सचजगता ४ मत्रादेयपुदः सचनदानादिना
पुत्रासर्वकल्पमहागनं जाकिनीहृत्रकादिनायकपवित्रहृ
॥ जिनगुनह्यानदयमाकपुदः गणावायी कपाकाः सहसो न
हंप्रससया वात्रवासत्रयकः मोस्य हृदुहः सहस
वायचक्रः पालिवसु गः जिनगुनह्यानदयमाकपुदः

यमयागनामकः सा सत्रद्वं नादिगा सा ह्यपससाः चत्राय व
वः प्राप्तागिना ऊर्ध्वं यमगचक्रमाथा गुलागुहं ॥ ५ ॥
॥ वागागादगि ॥ द्वं विसत्रवनः विसासयिकुं ॥ २३ ॥ उर्थरादमः
गुलः नाया रुगा ॥ ५ ॥ ॥ उरुगगनि वासि यात्रा ॥ अमिय अमिया
४ मत्रगत्रविनासयि २ सहजसुन्दनि त्रयोदिन रुजः ॥ अथिसैयिना
चयि ॥ ५ ॥ ॥ उचवृजागिनि ॥ उकनमना २ वज्र वात्रा हि अत्रिग
नः कात्रयिनाचयि ॥ ५ ॥ ॥ उर्थरात्रा का कनूष कवात्रि २ रुजः
अत्रिगनानिना वगुः वाज्रयिनाचयि ॥ ५ ॥ ॥ उर्थरात्रा ४ ॥

सम्बन्धवद्वा नाहि त्रानि गनः निवासि यात्रा ॥ ५७ ॥
 नागमधुमना गात्रमय ॥ वज्रमय कुमिविष्णुद्विचमनुत्तः मेदनि
 वज्रि एवः वज्रवन्धुर्हं सप्ततमागत्ररुमिनि वासयः मात्रसेयत्रहं
 शासकत्रा ॥ सुम्हनि २ हं रुद्रगुप्ते २ हं रुद्रगुप्तापेय २ हं रुद्रना ॥ श्री
 नयहं रागवनविशानाजहं रुद्र कदय २ श्रीलिकदय ॥ ५८ ॥
 गकत्राजियचिगिगड द्विचः वज्रपाकात्रहं २ श्रीदिगमानप
 नायगत्रवधनः सर्वविघ्नकृत्स्वनुसाह ॥ ५९ ॥ गगननित्रावध
 यकूलिहहिनासयः वज्रविमानहं २ वज्रपञ्जहं पंहुं २ हं गगनि

यि नून न कोट न २ मा न यि न क सा दि स ग द ५ न वा न
 स य मा न त्रि वृ त्त न ॥ **५२** ॥ रा ग ॥ वा य व क न म क व न नी न ॥ द
 न यि नून न कोट न २ मा न यि पु व नो दि स ग न प लि वा न ॥ न
 स य मा न त्रि वृ त्त न ॥ **५३** ॥ रा ग ॥ उ छे द न ॥ उ धी ख च क न ॥ रु
 न यि नून न कोट न २ मा न यि व क सा दि स ग न प लि वा न ॥ न
 मा न त्रि वृ त्त न ॥ **५४** ॥ रा ग ॥ मू र धा न ॥ सु म्भ ना ड वी न ॥ रु
 न यि नून न कोट न २ मा न यि म ग सा दि स ग न प लि वा न ॥ न
 न स य मा न त्रि वृ त्त न ॥ **५५** ॥ रा ग ॥ द ह दि ग द स ह का न न ॥ पु न

मा मि द न कोट न २ मा सा य न दान पु मि न ॥ मा न वि प न नि न ॥
 वा नून ॥ **५६** ॥ रा ग ॥ धा व ड स त्व मा न धि या न ॥ नून न सि धि
 मा न य दाना ॥ **५७** ॥ **५८** ॥ रा ग न नी ग ॥ मा न म य ॥ व म्भ व व संध
 न ॥ पी न व र्ण उ क म्भ वि वि दि ग रा न न रु ख नी या र क न क रु ड द
 ट वा म क न धा नि ॥ द हि न म्भ स य म्भ सा र ण नां व न ॥ उ व डि व
 ह म्भ ८ न नां ग न ॥ उ व डी र व ह ट मि ह म द नि २ उं म द नि व डी
 र व ह ॥ व ड व म्भ ॥ वि ष्य क न न स य न ॥ वि ष्य न र व लु ॥ **५९** ॥
 उ ह दि मा ग नि ॥ द म य पु जा ॥ म ह नि व ड स त्व पु डि

यि नून न कोट न २ मा सा य न दान पु मि न ॥ मा न वि प न नि न ॥
 वा नून ॥ **५६** ॥ रा ग ॥ धा व ड स त्व मा न धि या न ॥ नून न सि धि
 मा न य दाना ॥ **५७** ॥ **५८** ॥ रा ग न नी ग ॥ मा न म य ॥ व म्भ व व संध
 न ॥ पी न व र्ण उ क म्भ वि वि दि ग रा न न रु ख नी या र क न क रु ड द
 ट वा म क न धा नि ॥ द हि न म्भ स य म्भ सा र ण नां व न ॥ उ व डि व
 ह म्भ ८ न नां ग न ॥ उ व डी र व ह ट मि ह म द नि २ उं म द नि व डी
 र व ह ॥ व ड व म्भ ॥ वि ष्य क न न स य न ॥ वि ष्य न र व लु ॥ **५९** ॥
 उ ह दि मा ग नि ॥ द म य पु जा ॥ म ह नि व ड स त्व पु डि

यि नून न कोट न २ मा सा य न दान पु मि न ॥ मा न वि प न नि न ॥
 वा नून ॥ **५६** ॥ रा ग ॥ धा व ड स त्व मा न धि या न ॥ नून न सि धि
 मा न य दाना ॥ **५७** ॥ **५८** ॥ रा ग न नी ग ॥ मा न म य ॥ व म्भ व व संध
 न ॥ पी न व र्ण उ क म्भ वि वि दि ग रा न न रु ख नी या र क न क रु ड द
 ट वा म क न धा नि ॥ द हि न म्भ स य म्भ सा र ण नां व न ॥ उ व डि व
 ह म्भ ८ न नां ग न ॥ उ व डी र व ह ट मि ह म द नि २ उं म द नि व डी
 र व ह ॥ व ड व म्भ ॥ वि ष्य क न न स य न ॥ वि ष्य न र व लु ॥ **५९** ॥
 उ ह दि मा ग नि ॥ द म य पु जा ॥ म ह नि व ड स त्व पु डि

॥ ५२ ॥ २ मगुत्रकर्मः सुसाधय २ डिं को हं हं स्वाहा ॥ ॥ नो मिष्टाः
धन इति गणानां नृन्दः विविध उपदेशः पूजया मिश्र साकार
हम निमात्रवत्तं जनः द विधी वसं धनाम गुलन कामि ॥ ॥
सगगुत्रवन्ननकमत्रिगगधसियो २ गभवनि आचार्यसंघसा २
कुमि (आधन विविधिरुत्तरदः सर्वसुखरिया संसात्रगन (आ
॥ ॥ ५३ ॥ **नागसेत्रविनायक** ॥ निम्नानां वृजमध्वगगकनसाः
पंचामगनस पुनिगा २ वि धर्मयगविषय पञ्चपववाः नीनवधूत्र
जसिन्नसिधापिया ॥ ॥ ॥ ५४ ॥ कनहवजोनायोमलु वित्तामिताः ॥

॥ ५५ ॥ कर्मवज्री सहीगनपञ्चास्त्रत्रयि ॥ ॥ वज्रसुतामगनिपुर्
रुनुनाः रावसमूडासत्रनशिमने ॥ ॥ पूर्वदेवगग पञ्च
गुसत्रजिगा पंचविस्मिगि रुदिगवधकाय २ दकिनदत्रगगवः
ऊखसमसमत्रपं गिरुवनसमत्रस (आपायविस्मिहि ॥ ॥
पश्चिमदत्रगगगव (आधिता धवत्रवधूदिगा ऊना २ उक्तिनदत्र
गतच ७४ घाखनादिगा हूनस्त्रयिनी विष्य जननि ॥ ॥ ॥ श्री
प्यादिदत्रगग (अधगापिगा नृगा मवधूत्रजथापियात्रा पृष्ठादि
न्यासिगा विधर्मयपुजिगा पुनमामिवजसुखसिन्नसाधिता ॥ ॥

